an>

Title: Need to e stablish Bundelkhand Cultural Development Board in Bundelkhand.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): अध्यक्ष महोदया, मैं बुंदेलखंड में सांस्कृतिक विकास बोर्ड की स्थापना के संबंध में कहना चाहता हूं। बुंदेलखंड की अपनी वैभवशाली सांस्कृतिक विरासत है। जहां चित्रकूट, ओरछा, कालिंजर में मंदिर, किले तथा खजुराहो के मंदिर की स्थापत्य कला स्थानीय राजाओं द्वारा निर्मित तालाब एवं बावड़ियां हैं, वहीं हिन्दु धर्म की आस्था के प्रतीक और घर-घर में पूजनीय श्री रामचरित मानस के रचयिता तुलसीदास जी और उनकी जन्म स्थली चित्रकूट तथा लोक गायन के रूप में आल्हा से सम्पूर्ण विश्व में पहचानी जाती है। परन्तु इस विरासत को और अधिक प्रासंगिक बनाने हेतु नवीन शोध एवं इससे जुड़े ज्ञान को क्रमबद्ध किए जाने की आवश्यकता है।

स्थानीय चंदेल राजाओं की जल संरक्षण तकनीक का संवर्धित प्रयोग आज की आवश्यकता है। आल्हा लोक गायन जन सामान्य में ऊर्जा का संचार एवं निराशा को नष्ट करता है। आल्हा गायन दुनिया का संभवत: एकमात्र ऐसा खंड काव्य है जो लगभग आठ सौ वर्षों से मौखिक रूप से जीवित है। उसे लिपिबद्ध किए जाने की आवश्यकता है। बुंदेलखंड की भूमि में जन्म लेने वाले तुलसी दास जी का महत्वपूर्ण उल्लेख मुगलकालीन शासकीय दस्तावेजों एवं साहित्य में नहीं मिल पाया। इसलिए वहां संस्कृति एवं लोक भाषा में किए गए कार्यों में नवीन शोध संस्थान की आवश्यकता है।

अत: माननीय अध्यक्ष महोदया, मेरा आपके माध्यम से पुन: सरकार से निवेदन है कि बुंदेलखंड संस्कृति विकास बोर्ड की अविलंब स्थापना की जाए जिसके अंतर्गत पारम्परिक स्थापत्य, परम्परागत मार्शल आर्ट, जल संरक्षण, लोक गायन शैली विशेषकर आल्हा एवं तुलसीदास जी पर शोध संस्थान की स्थापना की जाए। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष:

डॉ. वीरेन्द्र कुमार,

श्री प्रहलाद सिंह पटेल,

श्री जगदम्बिका पाल,

श्री शरद त्रिपाठी,

श्री रोड़मल नागर,

श्री सुधीर गुप्ता,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी और

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को श्री कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

Shri Srinivasa Reddy, the issue of jewellers which you want to raise has been answered by the Finance Minister.